सीता राम सीता राम सीता राम बोल

सीता राम सीता राम, सीता राम बोल,
राधे श्याम राधे श्याम, राधे श्याम बोल ॥
काहे प्राणी भटक रहा है, जीवन है अनमोल रे,
सीता राम सीता राम, सीता राम बोल,
राधे श्याम राधे श्याम, राधे श्याम बोल ॥

न कर बंदे मेरी मेरी, जीवन ख़ाक की ढेरी ॥
चार दिनों की चाँदनी है, और फिर है रात अँधेरी ।
धर्मराज के आगे तेरे , खुल जाएंगे पोल रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

माटी के रंगीन खिलौने, माटी में मिल जाएगा ॥
आज नहीं तो कल यहॉ पर, कर्मो का फ़ल पाएगा ।
हीरा जन्म न फ़ेर मिलेगा, कूड़े में न रोल रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

साथी ख़ाली हाथ गए हैं, होश तुझे क्यों आए न ॥
जोड़ जोड़ भर लिए खज़ाने, साथ गई एक पाई न ।
भवसागर के अन्दर तेरी, नईया रही है डोल रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

जिसको समझे यह जग अपना, वो एक दर्शन मेला ॥
अंत काल पछताएगा, जब जाएगा तूँ अकेला ।
सुंदर तन पे दाग़ लगाया, मैली चादर ओढ़ रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

लाख़ चौरासी के चक्र में, काहे भटक रहा है ॥
भले बुरे कर्मो की फाँसी, जिस पे लटक रहा है ।
साँस साँस से राम सुमिर ले, लागे न कोई मोल रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

ये माया है आनी जानी, ये जग झूठा सपना ॥
मात पिता सुत बंधु प्यारे, कोई नहीं है अपना ।
चार भाई श्मशान में जाकर, देंगे अकेला छोड़ रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

चला चली का मेला है यहाँ, कोई आए कोई जाए ॥
राजा रँक यहाँ न कोई, ये जग एक सराय ।
न जाने किस वक्त कहाँ पर, काल का वाज़े ढोल रे....
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

मुठी बांधे आया जगत में, हाथ पसारे जाएगा ॥
कोठी बंगले महल खज़ाना, यहीं धरा रह जाएगा ।
गहरी नींद में सोने वाले, अब तो आँखे खोल रे....
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

एक पतंग की तरह रे प्राणी, तेरी अमर कहानी ॥
पाँच लुटेरे लूट रहे हैं, तेरी ये जिंदगानी ।
आसमान पे उड़ने वाले, कट जाएगी डोर रे....
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

पाँच तत्व का बना यह पिंज़रा, जिसका नाम है काया ॥
पँछी रैन बसेरा करता, देकर श्वास किराया ।
एक दिन ख़ाली करना पड़ेगा, यह पिंज़रा अनमोल रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

क्या तूँ लेने आया जगत में, क्या तूँ लेकर जाएगा ॥
दुर्लभ मानुष जन्म रे बंदे, फ़ेर नहीं तूँ पाएगा ।
अभिमान में अँधा होकर, काहे मचावे शोर रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

बनके हँस तूँ मोती चुग ले, जीवन सफ़ल बना ले ॥
राम नाम अमृत फ़ल ख़ाकर, अपना आप बचा ले ।
लाख चौरासी चक्र में क्यों, फिरता डाँवा डोल रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

माँ के गर्भ में लटक रहा था, वादा खूब किया रे ॥
विषय विकारों की आँधी में, वादा भूल गया रे ।
जकड़ ज़ंजीरों से ले जाए, बन के जाए चोर रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

कर्म वही के अन्दर चाहे, हेराफ़ेरी कर ले ॥
दुनियाँ भर के खाते चाहे, अपने नाम तूँ कर ले ।

सच्चे मालिक के आगे तूँ , कुछ न सकेगा बोल रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

देख दिए की भांति तेरी, बाती बुझ जाएगी ॥
काल तूफाँ के आगे तेरी, हस्ती मिट जाएगी ।
रहा न कुछ भी बस में तेरे, प्रभु से नाता जोड़ रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

अब तो नाम सिमर ले प्राणी, समय यह बीत रहा है ॥
न कोई बन्धु सखा है तेरा, न कोई मीत रहा है ।
दूर किनारा सब ने किया है, दिया अकेला छोड़ रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

भाग-2

सीता राम सीता राम, सीता राम बोल,
राधे श्याम राधे श्याम, राधे श्याम बोल ॥
काहे प्राणी भटक रहा है, जीवन है अनमोल रे...
सीता राम सीता राम, सीता राम बोल,
राधे श्याम राधे श्याम, राधे श्याम बोल ॥

काहे तन का गर्व करे है, ये एक दिन जल जाएगा ॥
जैसे जल से गले रे कागज़, ऐसे तूँ ग़ल जाएगा ।
गुरु ज्ञान को गले लगा क्यों, माया रहा बटोर रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

अब तो नेकी कर ले बंदे, साथ तेरे जो जाएगी ॥
ये मतलब की दुनियाँ तेरा, कब तक साथ निभाएगी ।
कुछ तो धर्म कमा ले मूर्ख, डायन बदी को छोड़ रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

तुझसे वृक्ष भले है बंदे, देते है जो छाया ॥
पँछी जिसकी गोद में सोते, फ़ल दे पुण्य कमाया ।
सबको सुख देते हैं भईया, लेते न कोई मोल रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

जीवन तो एक नादेया है और, सुख दुःख दो है किनारे ॥
बहती तेज़ धारा के अन्दर, तुझ को अब जीना रे ।
राम नाम जहाज़ में चढ़ जा, विरथा यूँ मत डोल रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

जिस रंग में श्री राम जी राखे, उसी में रहना चाहिए ॥
जो कुछ तुझको दिया है उसमें, शुक्र मनाना चाहिए ।
ऊपर देखें दुःख घनेरा, नीचे सुख की थोड़ रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

धन्ना जाट था भक्त निराला, पत्थरों को भोग लगाए ॥
तूँ खाए तो मैं भी खाऊँ, शाम सवेरे गाए ।
एक सहारा तेरा दाता, तेरे बिन न होर रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

नामदेव था भक्त निराला, राम नाम गुण गाता ॥
जो कुछ दिया प्रभु ने उसको, उसी में शुक्र मनाता ।
स्वान बन भगवान थे आए, दर्श किया अनमोल रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

दुशासन ने द्रोपदी की, खींची सभा में साड़ी ॥
चरणों में बस ध्यान लगाकर, द्रोपदी ये पुकारी ।
लाज बचाओ कान्हा मेरी, बार बार ये बोल रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

दीन दुखी का दुःख अपना ले, होगी नईया पार रे ॥
जो इनको तड़पाएगा, ये देंगे नींव उखाड़ रे ।
कभी संभल न पाएगा तूँ, करले बात पे गौर रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

दुखिया तेरे पास खड़ा और, पर तूने मौज़ उड़ाई रे ॥
भूखा प्यासा पड़ा पड़ौसी, न उसकी भूख मिटाई रे ।
जीवन ख़ुशियों से भर जाए, उसके आंसू पोंछ रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

पाँच तत्व की बनी कोठरिया, यह एक दिन गिर जाएगी ॥
कागज़ की है नईया तेरी, पानी में बह जाएगी ।
अकड़ अकड़ पग धरे धरा पर, चलता मूँछ मरोड़ रे...

सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

जाग मुसाफ़िर भोर भई क्यों, सोता चादर तान रे ॥
काल कुठार है होकर आया, क्यों होता अनजान रे ।
काल बलि से बच न पाए, चाहे लगा ले ज़ोर रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

दुर्लभ मानुष जन्म को पाना, बच्चों का कोई ख़ेल नहीं ॥
जन्म जन्म के शुभ कर्मों का, होता जब तक मेल नहीं ।
उत्तम कर्म कमाई कर ले, छल कपट को छोड़ रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

सोने में तो रात गँवाई, दिन भर करता पाप रहा ॥
इसी तरह बर्बाद रे बंदे, करता अपना आप रहा ।
बादल बनकर काल गरजता, छाई घटा घनघोर रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

मेरे राम हैं बड़े दयालु, सब कुछ देते जाते ॥
छोटे बड़े का भेद न करते, सब की भूख मिटाते ।
शर्मा पी ले प्रेम का प्याला, राम नाम रस घोल रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

बलवंत तूँ गुण गा ले प्रभु का, मुश्किल हल हो जाएगी ॥
झोली फैला देख सुरेंद्र, ख़ुशियों से भर जाएगी ।
किसी तरह की कमी न होगी, हो जाएगी मौज़ रे...
सीता राम सीता राम सीता राम बोल.....

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22874/title/sita-ram-sita-ram-sita-ram-bol

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |